हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 12 अक्टूबर 2026

11 भक्तों ने अखंड ज्योति जला मांगी सुख-समृद्धि की



12 पदक विजेता सुजीत कलकल का इमलोटा में



खबर संक्षेप

शिव परिवार की मूर्ति स्थापना आज होगी

बवानीखेड़ा। शहर के बाईपास मार्ग पर राजकीय महिला कॉलेज के सामने स्थित स्वर्ग आश्रम (रामबाग) में सोमवार, 12 अक्टूबर को शिव परिवार की मूर्ति स्थापना का धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्वर्ग आश्रम सेवा समिति बवानीखेड़ा की ओर से आयोजित कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा। समिति ने शहरवासियों से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। समिति प्रधान नन्द लाल महत्ता, डॉ. बूटा राम धमीजा, औम प्रकाष चुघ आदि ने बताया कि शिव परिवार की मूर्ति स्थापना का यह कार्यक्रम सभी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

जुआ खेलने के आरोप में 09 आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। थाना बहल पुलिस ने होटल के अंदर ताश के पत्तों पर पैसे लगाकर जुआ खेलने के मामले में 09 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 75750 रुपये बरामद किए है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना बहल के उप निरीक्षक गौरी शंकर की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर जुआ खेलते लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कुलदीप पुत्र ओमपाल, सुनील पुत्र धर्मपाल, विकास पुत्र श्यामलाल,, सुमित पुत्र ईश्वर, सचिन पुत्र लक्ष्मी चंद, अनिल पुत्र सुरेश, पवन पुत्र मदन लाल, सोमबीर पुत्र मदन सिंह व बजरंग पुत्र धन सिंह शामिल हैं। सभी आरोपित बहल के हैं।

जल्द सफाई नहीं हुई तो पार्षद उतरेंगे सड़कों पर

डॉबर कॉलोनी के जलघर के टैंकों में लंबे समय से जमी है सिल्ट

टैंकों की सफाई की मांग को लेकर गरजे नगर पार्षद

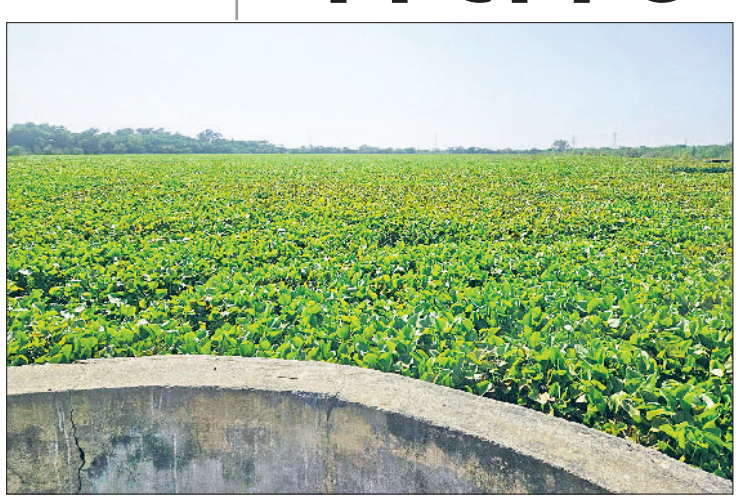



भिवानी। टैंकों में सिल्ट पर उगी हरी बेल का दृश्य और टैंकों की सफाई की मांग को लेकर जलघर परिसर में धरने पर बैठे पार्षद। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

डॉबर कॉलोनी के जलघर के टैंकों की जमा सिल्ट निकलवाने की मांग को लेकर नगरपरिषद के पार्षदों ने जलघर परिसर में प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को कोसते रहे। बाद में पब्लिक हेल्थ विभाग के जेई ताजदीन मौके पर पहुंचे और उन्होंने तीन माह के भीतर उक्त जलघर के टैंकों की सफाई करवाए जाने का भरोसा दिलाया। उनका तर्क था कि टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है और सीएम कार्यालय से अप्रूवल आते ही सफाई का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। दूसरी तरफ नप के पार्षद

> जेई बोले: तीन माह में टैंकों को कर दिया जाएगा क्लीन

सुभाष तंवर ने चेतावनी दी कि अगर जल्द सफाई का कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे नगरपरिषद के अन्य पार्षदों व शहर के लोगों के साथ सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

सुबह दस बजे पार्षद सुभाष तंवर व संदीप यादव की अगुवाई में अनेक पार्षद डॉबर कॉलोनी स्थित जलघर परिसर में पहुंच गए। वहां शहर के अन्य लोगों के साथ पार्षद सांकेतिक धरने पर बैठे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जब से डॉबर कॉलोनी इलाके में जलघर का निर्माण हुआ है। तब से लेकर अब तक इसकी सफाई नहीं हो पाई है। जिस वजह से उक्त टैंकों में करीब पांच से छह फुट तक सिल्ट जमा है। सिल्ट की वजह से टैंकों की पानी की स्टोरेज में काफी घट गई है। जिसके चलते शहर में गर्मी के मौसम में पानी का संकट बनता है।

घरों तक पहुंच रही सिल्ट : वक्ताओं ने कहा कि अगर इनकी समय पर सफाई हो जाए तो गर्मी के मौसम में पीने के पानी की कोई समस्या नहीं रहेगी। टैंकों की सफाई के लिए कई बार पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से शिकायत की,लेकिन आज तक टैंकों की सफाई का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। साथ ही सिल्ट पानी की सप्लाई के साथ साथ लोगों के घरों तक पहुंच रही है। वक्ताओं ने कहा कि अगर पब्लिक हेल्थ विभाग ने जल्द ही सफाई का कार्य शुरू नहीं करवाया तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, संदीप तंवर वाइस चेयरपर्सन प्रतिनिधि, एमसी बिल्लु बादशाह, अनिल मास्टर, पार्षद मोनू, पवन सैनी, मदन एमसी,अनिल पार्षद प्रतिनिधि, विनोद,महाबीर देवसरिया,रोहतास वर्मा, कृष्ण सिंह, राजेंद्र छपारिया,धनपत ठेकेदार, महेंद्र सिंह और शहर के गणमान्य लोग मौजूद थे।

सफाई की टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है शुरू

पब्लिक हेल्थ विभाग के कनिष्ठ अभियंता ताजदीन ने बताया कि जलघर की सफाई की टेंडर प्रक्रिया जारी है। सफाई कराने की फाइल सीएम कार्यालय में गई हुई है। जल्द ही फाइल के पास होकर आने की उम्मीद है। करीब तीन माह के भीतर जलघर के टैंकों की सफाई का कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। इस मामले में किसी तरह की कोई ढिलाई नहीं होगी। साथ ही उन्होंने इस बारे में आला अधिकारियों को जानकारी दे दी है।



बवानीखेड़ा। गली के निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

दस साल से अधर में भीखू राम कॉलोनी की गली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

■ बच्चों और बुजुर्गों को हर समय हादसे का डर, कई बार शिकायत के बावजूद नहीं हुआ समाधान

बवानीखेड़ा शहर में शहीद गुलाब सिंह पार्क के सामने स्थित भीखू राम कॉलोनी की गली का निर्माण नहीं होने से लोगों में रोष है। लोगों का आरोप है कि पिछले करीब दस वर्षों से गली अधूरी पड़ी है। गली का निर्माण नहीं होने के कारण बच्चों, बुजुर्गों और आम राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के अनुसार, गली से जुड़े एक ही परिवार के करीब 100 से अधिक लोगों का रोजाना आवागमन होता है, लेकिन रास्ते की बदहाल स्थिति के कारण हर समय चोटिल होने का डर बना रहता है।

स्थानीय निवासी रामकुमार कौशिक, चुन्नीलाल, हरकेश, रविंद्र, प्रह्लाद, भूषण, धनी, मुनी, कमलेश और संतोष आदि ने बताया कि गली निर्माण और पीने के पानी की पाइपलाइन से जुड़ी समस्या को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के कार्यकाल में भी उनको शिकायत दी गई थी। इसके बाद पीने के पानी की पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन गली का निर्माण नहीं हो पाया। लोगों का कहना है कि गली की हालत ऐसी है कि बच्चों और बुजुर्गों को निकलते समय विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। लोगों ने बताया कि पिछले दस वर्षों में संबंधित विभाग को दर्जनों बार शिकायत दी जा चुकी है। हर बार समस्या के समाधान की उम्मीद जगी, लेकिन गली का निर्माण आज तक नहीं हो सका। लोगों का आरोप है कि कभी बजट तो कभी अन्य कारण बताकर मामले को टाल दिया जाता है। शहर में विकास कार्यों की बातें होती हैं, लेकिन उनकी गली की समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गली की खराब हालत के कारण रोजमर्रा के आवागमन में परेशानी होती है। बच्चों के फिसलने और बुजुर्गों के गिरकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से जल्द गली का निर्माण करवाने की मांग की है। लोगों ने भावुक होकर कहा कि कोए तो म्हारी गडी बणवा दयो, यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्या रखेंगे। वहीं इस बारे नगर पालिका सचिव से फोन पर संपर्क करने का प्रयास भी किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। अब स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन उनकी वर्षों पुरानी समस्या को गंभीरता से लेते हुए गली निर्माण का कार्य जल्द शुरू करवाएगा।

दादरी में यातायात नियमों की अनदेखी पर 728 चालान काटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

दादरी जिला पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर 728 चालान किए हैं। गत चार से 10 अक्टूबर तक चले इस अभियान के दौरान वाहन चालकों पर कुल 7,69,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार पी के दिशा-निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत नंबर प्लेट, तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाने और दस्तावेजों की कमी सहित



चरखीदादरी। नियम की अवहेलना पर वाहन का चालान करता पुलिसकर्मी।

> 4 से 10 अक्टूबर तक चले इस अभियान के दौरान वाहन चालकों पर 7,69,300 रुपये का जुर्माना लगाया

विभिन्न उल्लंघनों पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान नंबर प्लेट से संबंधित मामले सबसे अधिक सामने आए। बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने पर 270 चालान किए। वहीं हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) नहीं होने या निर्धारित मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट नहीं पाए जाने पर 248 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा वाहनों के मूल ढांचे और इंजन में अनधिकृत बदलाव करने के मामले में 41 वाहन चालकों के चालान किए। गलत दिशा में वाहन चलाने पर 34, अवैध पार्किंग के 35 और निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने पर 34 चालान किए। प्रदूषण संबंधी मानकों का पालन नहीं करने पर 22, थर्ड पार्टी बीमा के बिना वाहन चलाने पर 19 और पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) के बिना वाहन चलाने पर 16 चालान किए गए। वहीं, वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होने पर 15 तथा सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 13 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार पी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि सड़क हादसों और यातायात जाम की आशंका को कम करना है। बिना नंबर प्लेट या नियमों के विपरीत नंबर प्लेट वाले वाहनों की पहचान भी जरूरी है, क्योंकि ऐसे वाहनों का आपराधिक गतिविधियों में दुरुपयोग होने की आशंका रहती है।

लोगों को जीवन के सबसे बड़े दान के प्रति किया जागरूक

शिविर में 20 ने किया रक्तदान तो 15 ने भरे नेत्रदान के फॉर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी



स्थानीय नेहरू पार्क के सामने स्थित सैनी धर्मशाला में सैनी कल्याण परिषद भिवानी के तत्वावधान में नेत्रदाता स्व. धर्मपाल सैनी की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शहरवासियों और युवाओं ने बढ़-चढक़र अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लोगों को जीवन के सबसे बड़े दान के प्रति जागरूक करना रहा। परिषद के उपप्रधान एवं रक्त प्रभारी ओमप्रकाश सैनी ने जानकारी दी कि इस शिविर का उद्देश्य समाज में रक्तदान के साथ-साथ नेत्रदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। शिविर के दौरान कई नागरिकों ने स्वेच्छा से आगे आकर नेत्रदान का संकल्प लिया और इसके लिए विशेष रजिस्ट्रेशन भी करवाए गए। शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान किया तथा 15 लोगों ने नत्रदान के फॉर्म भरे। शिविर की अध्यक्षता परिषद के प्रधान भूपसिंह सैनी ने की।

25 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी



सम्मान एक प्रयास समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रो. राजेश लांग्यान ने बताया कि समाजवाद, समता, परोपकार और लोक कल्याण के अमर संदेश देने वाले महान युगपुरुष महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को स्थानीय पंचायत भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्मान एक प्रयास समिति (रजि.) भिवानी द्वारा सर्व समाज के सहयोग से आयोजित इस बहुआयामी कार्यक्रम के अंतर्गत 22वें रक्तदान शिविर, एक व्यापक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भिवानी के सर्व समाज और युवाओं ने सहभागिता दर्ज कराई। इस दौरान 25 यूनिट रक्तदान हुआ तथा 50 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी रामदेव तायल ने किया। शिविर में क्षेत्र के नामी विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के दौरान आने वाले जरूरतमंदों के लिए नेत्र जांच, कान-नाक-गला जांच, फिजियोथेरेपी व न्यूरोथेरेपी सेवाएं प्रदान की गईं।

धीरज कक्कड़ सर्वसम्मति से बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

एक शाम राधा रानी के नाम (भजन संध्या) कार्यक्रम 31 को

श्री राधा रानी सेवा मंडल ने नई कार्यकारिणी का गठन किया

श्री राधा रानी सेवा मंडल की एक आवश्यक बैठक का आयोजन श्री कृष्ण कुंज में हुआ। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार भी हर वर्ष की भांति एक शाम राधा रानी के नाम एवं प्रसादम (राधा रानी की रसोई) कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक मुरलीधर वर्मा ने की।

बैठक में पुनः सर्व सहमति से धीरज कक्कड़ को प्रधान बनाया गया व नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया की एक शाम राधा रानी के नाम कार्यक्रम सेक्टर 13 पीर बाबा मंदिर के निकट बाबा भीमराव अंबेडकर पार्क में 31 अक्टूबर को किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए सभी सदस्यों की ड्यूटी भी लगाई गई। नई कार्यकारिणी में संरक्षक श्रीमुरलीधर वर्मा हंसराज मेहता तथा प्रमोद कुमार जैन, मुख्य सलाहकार अनिल कुमार पोपली, उपप्रधान पुष्पराज मेहता, सचिव केशव माखीजा, सहसचिव भूपेंद्र सरदाना, कोषाध्यक्ष उमेश मुंजाल, कार्यक्रम संयोजक राजेश बजाज, सह कार्यकम संयोजक पुनीत शर्मा, सेवा प्रभारी संजय कामरा व चंद्र शेखर चावला, भजन प्रभारी कुलभूषण भारद्वाज व भजन सहप्रभारी शिव शर्मा को बनाया गया।



बाढ़ड़ा। कस्बे के मुख्य क्रांतिकारी चौक पर लगे जाम में फंसे वाहन।

जाम से जूझ रहा है बाढ़ड़ा का मुख्य क्रांतिकारी चौक, नहीं मिला बाईपास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

■ अवैध वाहनों, रेहड़ियों के जमावड़े के कारण यहां से गुजरना हो जाता है मुश्किल

उपमंडल बनने के करीब दस साल बाद भी बाढ़ड़ा कस्बे में बाईपास नहीं होने से मुख्य क्रांतिकारी चौक पर हर समय वाहनों से जाम लगता रहता है, जिससे कस्बे के व्यापारी व आमजन परेशानी से जूझ रहे हैं। चारों सड़क मार्गों के दोनों तरफ अवैध वाहनों, रेहड़ियों के जमावड़े से यहां से गुजरना मुश्किल हो जाता है। वहीं प्रशासन व्यवस्था बनाने को लेकर आंखे बंद किए हुए हैं, जिससे क्षेत्रवासियों में प्रशासन के प्रति गहरा रोष बना हुआ है।

दस हजार से अधिक आबादी वाले कस्बे को आज भी मुलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे में न आवागमन के लिए चौड़े सडक़ मार्ग हैं, जो हैं उनपर रेहड़ी व अवैध वाहनों का कब्जा बना रहता है। कस्बे के मुख्य क्रांतिकारी चौक से बाढ़ड़ा जुई, सतनाली, लोहारु व चरखी दादरी के लिए प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन आधकतर समय तक उन्ह जाम म ही फंसा रहना पड़ता है। सांसद धर्मबीर सिंह के मांगपत्र पर लोकनिर्माण विभाग ने मिनी बाईपास की फाइल को अंतिम रुप तक पहुंचा दिया है, लेकिन उसका भी अभी बजट स्वीकृत होने के इंतजार में आमजन को मुख्य चौक पर जाम से परेशानी में उलझना पड़ रहा है।

व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष संदीप सिंटी, जगतसिंह, व्यापारी नेता जयबीर काकड़ौली, प्रदीप, सतबीर सलेमपूरिया, महेश काकड़ौली, नरेंद्र जांगड़ा आदि ने बताया कि कस्बे में आबादी बढ़ने से अब पुरानी सड़कों पर अतिक्रमण की भरमार बनी हुई है। बार बार सरकार से अलग से बाईपास निर्माण की अपील कर चुके, लेकिन झूठे आश्वासन मिल रहे हैं।

विकास के साथ-साथ सामाजिक ताना-बाना मजबूत होना जरूरी: सांसद

सांसद ने लोहारू के विश्राम गृह में सुनीं लोगों की समस्याएं

■ किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने रविवार को लोहारू के लोक निर्माण विश्रामगृह में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान हो।

इस अवसर पर सांसद ने विशेष कर किसानों से रासायनिक पदार्थों का प्रयोग न करके प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद के अंधाधुंध प्रयोग से हमारी जमीन जहरीली हो गई है, जिसका असर न केवल हमारे स्वास्थ्य पर पड़ा है, बल्कि पशु पक्षियों और जीव जंतुओं की भी अनेकों प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं। उन्होंने विकास के साथ-साथ सामाजिक ताने-बाने को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है। आज भारत देश की विश्व में अपने आप में एक अलग पहचान बनी है। उन्होंने



कहा कि मोबाइल के इस दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों पर भी बुरा असर देखने को मिल रहा है। हमारी मानसिकता बदलती जा रही है। उन्होंने कहा कि विकास के साथ-साथ में हमें सामाजिक और पारिवारिक एकता पर ध्यान देना होगा, जो बहुत जरूरी है।

उन्होंने किसानों से आह्वान करते हुए कहा की वे प्राकृतिक खेती अपनाने के साथ-साथ ड्रिप इरीगेशन पर ध्यान दें। इसके लिए सरकार द्वारा सब्सिडी भी दी जा रही है। सांसद ने कहा कि हमें फसल अवशेष प्रबंधन पर भी गौर करना होगा। फसल अवशेषों को जलना गलत है, इससे एक तरफ पर्यावरण प्रदूषण होता है, तो दूसरी तरफ जमीन की उर्वरा शक्ति समाप्त होती है। अनेकों जीव जंतु, कीट पतंगे आग में जल जाते हैं। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए उन्होंने गांवों में ट्रैक्टर ट्राली दी हुई हैं, इनका प्रयोग गांव की सफाई व्यवस्था के लिए करें, जो की बहुत जरूरी है। इस दौरान सांसद का पगड़ी बांधकर सम्मान किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एसडीएम मनोज कुमार, भाजपा नेता कमलेश भोड़का, विजय शेखावत, चुन्नीलाल स्वामी, संजय जांगड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 11 अक्टूबर से शुरू 19 अक्टूबर तक चलेंगी। दुर्गा अष्टमी 18 और 19 अक्टूबर दोनों दिन मनाई जाएगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी विशेष महत्व रहता है।

सांझी माई : जब हरियाणा की दीवारें बोलती थी

हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है, जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है।



संस्कृति

रवि यादव



हरियाणा की लोक-संस्कृति में कुछ परंपराएं ऐसी रही हैं, जिनके लिए न बड़े मंदिर चाहिए थे, न महंगे सामान और न किसी पुरोहित की अनिवार्यता। घर की मिट्टी, तालाब की चिकनी मिट्टी, गोबर, फूल-पत्तियाँ, थोड़े-से प्राकृतिक रंग और लड़कियों की कल्पनाशील उंगलियां—बस इन्हीं से एक पूरी लोक-संसार रच दिया जाता था। 'सांझी माई' ऐसी ही एक परंपरा थी। आज भी हरियाणा के कुछ ग्रामीण इलाकों में इसके दर्शन हो जाते हैं, लेकिन पहले जैसी व्यापकता अब नहीं रही।

हरियाणा सरकार ने भी 2026 में इसे लुप्त होती लोककला बताते हुए इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए कार्यशालाएँ शुरू की हैं। पुराने हरियाणा के गांवों में शारदीय नवरात्र के आसपास घर की कोई साफ-सुथरी दीवार अचानक साधारण दीवार नहीं रह जाती थी। उसे लीपा-पोता जाता और फिर उस पर उभरने लगती थी एक स्त्री आकृति—सांझी माई। कहीं उनका चेहरा बनाया जाता, कहीं पूरा शरीर, तो कहीं उनके चारों ओर चांद, सूरज, तारे, फूल, पक्षी, पेड़, पशु और तरह-तरह के प्रतीक सजाए जाते। मुख्य सामग्री होती थी गोबर और मिट्टी। गांव की लड़कियां तालाब या पोखर से चिकनी मिट्टी लातीं। उससे छोटे-छोटे चांद-सितारे, गहने और आकृतियां बनाकर सुखाई जाती। फिर गोबर से लीपी दीवार पर सांझी का रूप उभारा जाता और उसे खड़िया, गेरू, हल्दी, रोली, फूल-पत्तियों तथा उपलब्ध प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता। हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है। अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में इसे पितृपक्ष से दशहरे तक लगभग सोलह दिनों की परंपरा के रूप में माना गया, जबकि कई स्थानों पर इसका संबंध नवरात्र के नौ या दस दिनों से जोड़ा गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अनुसार उत्तर और मध्य भारत में सांझी की एक परंपरा पितृपक्ष के दौरान लगभग पंद्रह दिनों तक अविवाहित लड़कियों द्वारा निभाई जाती रही है। हरियाणा के कई गांवों में अमावस्या या नवरात्र आरंभ होने के आसपास दीवार तैयार की जाती और फिर दशहरे तक प्रतिदिन उसकी सजावट और पूजा होती। इसलिए किसी एक तारीख को पूरे हरियाणा की सांझी परंपरा का नियम मानना ठीक नहीं होगा। शाम का समय इसका सबसे महत्वपूर्ण समय था। शायद इसी कारण इसका नाम 'सांझी' या 'सांझ' से जोड़ा जाता है। संध्या होते ही लड़कियां अपने काम-काज से निवृत्त होकर सांझी के सामने इकट्ठी होतीं। दीपक जलता, गीत गाए जाते और घर-आंगन में एक अलग ही वातावरण बन जाता।

सांझी माई कौन थीं ?

सांझी को लेकर पूरे उत्तर भारत में एक जैसी कथा नहीं मिलती। कहीं उन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना गया, कहीं लोकदेवी के रूप में पूजा गया और कहीं धरती, उर्वरता तथा पारिवारिक सुख-समृद्धि से उनका संबंध जोड़ा गया। हरियाणा में भी स्थानीय मान्यताओं के अनुसार उनकी कथा और रूप में अंतर दिखाई देता है। एक लोकमान्यता में सांझी को धरती और हरियाली से जोड़ा गया है। कहा जाता था कि संध्या बेला में लड़कियों और महिलाओं द्वारा सांझी की पूजा, गीत और सजावट करने से घर-परिवार तथा धरती पर सुख-समृद्धि बनी रहती है। दूसरी ओर, अविवाहित कन्याओं के लिए यह अच्छे वर और सुखी गृहस्थ जीवन की कामना से भी जुड़ी थी। अर्थात सांझी में धर्म, प्रकृति, परिवार, विवाह और लोककला सब एक साथ मिल जाते थे। लड़कियों को इतना चाव क्यों था? शायद सांझी की सबसे खूबसूरत बात यही थी। उस समय गांव की लड़कियों के लिए अपने मन की कल्पना को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने के अवसर बहुत कम थे। न मोबाइल था, न सोशल मीडिया, न डिजाइनिंग की कक्षाएं और न ही मनोरंजन के इतने साधन। सांझी की दीवार उन्हें एक ऐसा कैनवास देती थी जिस पर वे अपनी कल्पना उकेर सकती थीं। कौन-सा सितारा कहां लगेगा? सांझी की चुनरी कैसी होगी? चेहरे पर कौन-सा रंग अच्छा लगेगा? गहने कैसे बनाए जाएं? चांद के साथ तारा बड़ा हो या छोटा? इन छोटी-छोटी बातों पर सहेलियों में बहस होती होगी। और फिर यह केवल कला नहीं थी, सहेलियों का मिलन भी था। एक घर की लड़की दूसरी के घर जाती। मिट्टी लाने के लिए कई साथ निकलतीं। कोई मिट्टी गूंथती, कोई आकृति बनाती, कोई रंग भरती और कोई गीत शुरू कर देती। बड़ी उम्र की महिलाएं उन्हें देखकर सलाह देतीं और अपनी पुरानी सांझी की यादें सुनातीं। इस तरह एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को कला ही नहीं, गीत, कथा, रिश्ते और संस्कार भी सौंपती थी।

लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है।

मन की बात कहने का माध्यम

सांझी के साथ गाए जाने वाले लोकगीतों में देवी की स्तुति के साथ-साथ लड़की के जीवन की इच्छाएं भी झलकती थीं। कहीं अच्छे वर की कामना, कहीं सुखी घर की कल्पना, कहीं मायके की याद और कहीं सहेलियों के बीच हंसी-मजाक। इसलिए सांझी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं थी। वह ग्रामीण लड़कियों के लिए एक तरह का सांस्कृतिक संवाद थी। जिस बात को लड़की सीधे कह नहीं सकती थी, वह गीत में कह देती थी। शादी कैसी हो, ससुराल कैसा मिले, घर में सुख-शांति रहे, भाई-बहन सुरक्षित रहें- इन सब भावनाओं के रंग सांझी के गीतों में मिल जाते थे। इसीलिए बुजुर्ग महिलाओं के लिए सांझी केवल देवी की पूजा नहीं, उनके अपने बचपन की स्मृति भी थी।

दशहरे पर विदाई

जिस सांझी को इतने दिनों तक सजाया-संवारा जाता था, उसकी विदाई भी होती थी। दशहरे के दिन या स्थानीय परंपरा के अनुसार अंतिम दिन लड़कियां सांझी को दीवार से उतारतीं। उसे किसी टोकरी, मटके या अन्य पात्र में रखकर तालाब, पोखर या जोहड़ तक ले जाया जाता और वहां विसर्जित किया जाता। कुछ स्थानों पर इस अवसर पर लड़कियां समूह में गीत गाते हुए जाती थीं। हरियाणा के गांवों में ऐसी दस दिवसीय सांझी परंपराओं का उल्लेख मिलता है। यह दृश्य अपने आप में बड़ा मार्मिक रहा होगा, जिसे लड़कियों ने इतने दिनों तक अपने हाथों से बनाया, उसे अंततः पानी को सौंप देना। शायद यही लोकजीवन का दर्शन भी था- बनाना, सजाना, प्रेम करना और फिर समय आने पर विदा कर देना।

सबसे बड़ा परिवर्तन गांव की जीवनशैली में आया है। पहले कच्ची या मिट्टी की दीवारें थीं, जिन पर गोबर और मिट्टी आसानी से चिपक जाती थी। अब पक्की दीवारें, सीमेंट, पेंट और टाइलें हैं। पहले तालाब गांव के जीवन का हिस्सा थे; अब अनेक तालाब सिकुड़ गए या उनकी भूमिका बदल गई। पहले शाम को लड़कियों के पास सामूहिक समय था; आज पढ़ाई, कोचिंग, नौकरी, टीवी और मोबाइल ने उस समय को बांट दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात- लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है। आज सांझी को बचाने के लिए सरकारी और सांस्कृतिक संस्थाओं की ओर से कार्यशालाएं और उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। 2026 में हरियाणा के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग ने महिलाओं को प्रशिक्षण देकर इस लोककला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल भी की है। लेकिन सांझी वास्तव में तभी बचेगी, जब वह किसी मंच की प्रदर्शनी से निकलकर फिर किसी गांव के घर की दीवार पर बनेगी। क्योंकि सांझी का असली सौंदर्य किसी प्रतियोगिता की ट्रॉफी में नहीं, उस शाम में था जब गांव की कुछ लड़कियां मिट्टी से सने हाथों के साथ एक दीवार के सामने बैठती थीं, दीपक जलता था, कोई पहली पंक्ति का गीत छेड़ती थी और बाकी आवाजें उसके साथ जुड़ जाती थीं। दीवार पर गोबर से बनी वह आकृति देखने में भले ही साधारण थी, लेकिन उसके भीतर एक पूरा संसार बसता था- मिट्टी का संसार, बेटियों का संसार, गीतों का संसार और उस हरियाणा का संसार, जहां त्योहार केवल मनाए नहीं जाते थे, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी जिए जाते थे। शायद इसलिए आज सांझी माई को याद करना केवल एक पुरानी परंपरा को याद करना नहीं है; यह उस सांझ को याद करना है, जो कभी हरियाणा के गांवों में सचमुच बहुत कुछ अपने साथ लेकर आती थी।

ग़ज़ल | राजपाल सिंह गुलिया



बेरा नां के हुई खराबी

बेरा नां के हुई खराबी,
माणस होग्ये घणे हिसाबी.

पाँ जिनके टूट्टे आर्या मैंह,
माँगैं सैं वे भी गुरगाबी.

ठेका योह बंध होना चइए,
पीकै बोल्ले कई सराबी.

घरती पर तैं खो देंगे ये,
तन्नै तेरे शौक नबाबी .

खोस लई सै नई बहू नै,
आत्याँ ही सासू तैं चाबी.

पढ़या सै पर कढ़या कोन्या,
तन्नै सै बस ग्यान किताबी.

जावै तै कित जावै 'गुलिया '
अडै सराबी , उडै कबाबी.

कविता | डॉ. त्रिलोक चंद



भाई

दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै और नहीं कोये प्यारा।
जै भाई का साथ मिलै तो, होज्या सैं पौ - बारा।।

राम लखन - सा भाई हो ,
सहयोगी अनुयाई हो,
विपदा में वही सहाई हो ,
तो दुःख तैं मिलै छुटकारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा।।

भरत कै जैसा त्यागी हो ,
पांडवों -सा अनुरागी हो ,
विक्रम -सा बड़भागी हो ,
तो चमकै भाग्य सितारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

कृष्ण और बलराम- सा भाई,
धर्म - कर्म की राह बताई।
दुष्टों की करी खूब धुलाई,
भार धरा का टारा।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

भाई -भाई का प्रेम निराळा ।
खुल जाता किस्मत का ताळा ।
भाई -भाई का रखवाळा ,
भाई त्रिलोक का सहारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकृति का यौवन | शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है

आसौज की गुलाबी ठंड और फसलों का मदहोश नृत्य



जनजीवन

जयदेव राठी

भादों की झड़ी थमती है और आकाश अपना धुला हुआ नीला आँचल फैला देता है। सुबह खेत की मेड़ पर पाँव रखिए तो ओस की ठंडी छुअन तलवों से होकर मन तक उतरती है। दोपहर में सूरज अब भी कुछ तीखा रहता है, लेकिन सांझ ढलते ही हवा में हल्की सिहरन घुलने लगती है। यही आसोज है, जिसे शास्त्रों में आश्विन कहा गया है। वर्षा की विदाई और शरद के आगमन के बीच खड़ा यह महीना न पूरी तरह गर्मी का है, न जाड़े का। इसमें दोनों का संतुलन है और शायद इसी कारण यह ऋतुओं का सबसे सधा हुआ महीना लगता है। युवा अवस्था की तरह आसोज में भी प्रकृति भरी-पूरी दिखाई देती है। खेतों में फसल पकने की ओर बढ़ती है, आकाश साफ होता है, नदी-नालों का पानी निर्मल होने लगता है और लोकजीवन पर्वों के उजाले से भर उठता है। धरती जैसे यौवन की देहरी पर खड़ी हो—उसके चेहरे पर हरियाली है, देह पर फसल की सुनहरी आभा और मन में आने वाली समृद्धि के सपने। संस्कृत साहित्य में शरद के इस सौंदर्य को महाकवि कालिदास ने अद्भुत रूप दिया है।

काशांशुका विकचपद्ममनोज्ञवक्त्रा
सोन्मादहंसरवनूपुरनादरम्या।
आपक्वशालिरुचिरा तनुगात्रयष्टिः
प्राप्ता शरन्नववधूरिव रूपरम्या॥

अर्थात कास के श्वेत फूल जिसके वस्त्र हैं, खिले कमल जिसका मुख हैं, हंसों की ध्वनि जिसके नूपुरों की झंकार है और पकते धान की सुनहरी आभा जिसकी देह-कांति है—ऐसी नववधू के समान शरद आ पहुँची है। भारतीय काव्य परंपरा की यही खूबी है कि वह प्रकृति को केवल दृश्य नहीं मानती, उसे जीवंत चरित्र बना देती है। तुलसीदास ने भी वर्षा की विदाई और शरद के आगमन को अत्यंत सजीव ढंग से देखा—

बरषा बिगत सरद रितु आई।
लछिमन देखहु परम सुहाई॥
फूलें कास सकल महि छाई।
जनु बरषाँ कृत प्रगट बुढ़ाई॥

वर्षा बीत गई और शरद आ गई। कास के फूलों से धरती ऐसे ढक गई, मानो वर्षा ऋतु ने अपने सफेद बाल दिखाकर विदाई ले ली हो। आसोज की प्रकृति को इससे सुंदर उपमा शायद ही मिल सके। आसोज सबसे अधिक किसान का महीना है। उत्तर भारत के गाँवों में बाजरा, ज्वार, मूंग, अरहर और धान अपनी परिपक्वता की ओर बढ़ते हैं। कहीं कपास के डोडे चटकने लगते हैं तो कहीं खेतों में दाने भरने लगते हैं। मेड़ों पर बैठे बुजुर्ग फसल का रंग और उसकी चाल देखकर आने वाले दिनों का अनुमान लगाते हैं। बच्चे खेतों में चिड़ियों को उड़ाते हैं और किसान की निगाह आसमान, मिट्टी और फसल—तीनों पर रहती है। इसी समय अगली फसल की तैयारी भी शुरू हो जाती है। यानी एक फसल घर आने को होती है और दूसरी के बीज धरती में उतरने की तैयारी करते हैं।

भारतीय संस्कृति ने अन्न को केवल भोजन नहीं माना, बल्कि जीवन का आधार माना है। पितृपक्ष की गंभीरता के बाद शारदीय नवरात्र आते हैं और वातावरण में शक्ति का संचार होने लगता है। घर-घर घटस्थापना होती है, जौ बोए जाते हैं और देवी आराधना के साथ नौ दिनों का अनुशासन शुरू होता है। देवी माहात्म्य में शरदकालीन महापूजा का उल्लेख मिलता है—



शरत्काले महापूजा क्रियते या च वार्षिकी।
तस्यां ममैतन्माहात्म्यं श्रुत्वा भक्तिसमन्वितः॥

शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है। जौ का अंकुरण जीवन और उर्वरता का प्रतीक बनकर सामने आता है। भारतीय परंपरा में पूजा और खेती कभी एक-दूसरे से अलग नहीं रहे। खेत में बीज डालना भी एक प्रकार की प्रार्थना है और प्रार्थना के साथ श्रम करना भी एक प्रकार का यज्ञ।

नवरात्र के बाद विजयादशमी आती है। मैदानों में रावण के पुतले जलते हैं और आतिशबाजी के बीच बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दोहराया जाता है। लेकिन हर साल जलने वाला रावण हमें यह सवाल भी पूछता है कि क्या हमने अपने भीतर के अहंकार, लोभ, क्रोध और ईर्ष्या को जलाया? अगर नहीं, तो दशहरा केवल मैदान में हुआ दहन है, जीवन में नहीं। आसोज की पूर्णिमा अपनी चाँदनी के कारण विशेष है। शरद पूर्णिमा की रात को लेकर लोकविश्वास है कि चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ अमृत बरसाता है। घरों की छतों पर खीर रखने की परंपरा इसी विश्वास से जुड़ी है। हरियाणा की माटी में आसोज की अपनी ही खुशबू है। गाँवों में सांझी की परंपरा, आँगन में लोकगीत, खेतों की ओर जाते पशुओं की घंटियाँ, चौपाल पर हुक्के की गुड़गुड़ाहट और पकते बाजरे की खुशबू—ये सब मिलकर इस महीने को कैलेंडर की तारीख से कहीं बड़ा बना देते हैं। सांझ ढलते ही मिट्टी और गोबर से बनाई गई सांझी के आगे गाए जाने वाले गीत पीढ़ियों से दादी की जुबान से पोती तक पहुँचे हैं। यह लोकसाहित्य किसी विश्वविद्यालय की किताब से नहीं, गाँव के आँगन से निकला है। आसोज में प्रकृति के छोटे जीव भी जैसे उत्सव में शामिल हो जाते हैं। जब खेत भरते हैं और अन्न घर आने की उम्मीद जगती है, तब किसान के भीतर भी एक मोर नाचता है। उसकी थकान, चिंता और कठिनाइयाँ कुछ क्षणों के लिए पीछे छूट जाती हैं।

यौवन का अर्थ केवल उम्र नहीं, संभावना है। आसोज इसी संभावना का महीना है। वह सिखाता है कि पकने के लिए धूप भी चाहिए और ओस भी, श्रम भी चाहिए और धैर्य भी। केवल धूप में जलने वाला जीवन कठोर हो जाता है और केवल छाँव में रहने वाला जीवन कच्चा रह जाता है। आसोज की गुलाबी ठंड और बादलों की ओट से झाँकता सूरज इसी संतुलन का संदेश देते हैं। आज जब मनुष्य ऋतुओं से दूर होता जा रहा है और वातानुकूलित कमरों में बैठकर मौसम को मोबाइल की स्क्रीन पर देखता है, तब आसोज हमें फिर धरती की ओर लौटने का निमंत्रण देता है। खेत की मेड़ पर चलने, ओस को महसूस करने, कास के फूल देखने और किसान की आँखों में पकती फसल की चमक पढ़ने का निमंत्रण। हम सौ शरद देखें, सौ शरद जिएँ और सौ शरद तक सुनें। यह केवल दीर्घायु की कामना नहीं, प्रकृति के साथ लंबे और सार्थक जीवन की आकांक्षा है। आसोज हमें यही याद दिलाता है कि धरती जब यौवन की देहरी पर खड़ी हो, तब हमें भी अपने भीतर के जीवन को पहचानना चाहिए—माटी से जुड़कर, श्रम का सम्मान करके और उन ऋतुओं को महसूस करके, जिन्होंने हमारी संस्कृति को जन्म दिया है।

शिद्दत से काम करें, पूरी फिल्म मेकिंग सीखें : रणजीत चौहान



कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

रोहतक में जन्मे रणजीत चौहान साधारण परिवार से निकलकर आज हरियाणवी सिनेमा में निर्देशक, अभिनेता और फिल्ममेकर के रूप में पहचान बना चुके हैं। उन्होंने सुपवा से एक्टिंग में ग्रेजुएशन और सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल से फिल्म मेकिंग में मास्टर किया है। सुपवा के दूसरे बैच (2012) के विद्यार्थी रहे रणजीत ने निर्देशन के क्षेत्र में 'मलाल' और 'मुआवजा' जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई। इन दोनों फिल्मों के लिए उन्हें बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिल चुका है। रणजीत चौहान ने 2017 में 'मलाल' से निर्देशन की शुरुआत की और इसके बाद 'छप्पर फाड़के', 'ओपरी हवा', 'मिडनाइट', 'शॉर्ट कट्स' और 2026 में 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेब सीरीज का निर्देशन किया।

वे 'मुद्दा 370 जेएंडके' और 'दादा लख्मी चंद' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने 'बिल्लू बदमाश', 'रोहतक के मेले में', 'टेम्परेरी प्यार', 'गुंडागढ़' और 'समझ लियो हरियाणा' सहित कई गीतों का निर्देशन किया है। अभिनेता के रूप में वे 'छलांग', 'कॉमेडी कपल', 'मुद्दा 370 जेएंडके', '1600 मीटर' और 'तोता' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा 'हरियाणा क्राइम', 'अहसास', 'लाली', 'लगाव' और 'बहू काले की' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी उन्होंने अभिनय किया है। बचपन में प्रेमचंद की 'कफ़न' कहानी पढ़कर सातवीं कक्षा में ही रणजीत चौहान ने गली के बच्चों के साथ उसका नाटक करने



का सपना देखा, हालांकि तब उन्हें थिएटर के बारे में भी जानकारी नहीं थी। घर में पिता के नॉवेल पढ़ने के माहौल ने उनके भीतर कल्पनाओं और कहानियों की दुनिया बसाई और धीरे-धीरे उनमे लिखने की आदत विकसित हुई। 2009 में कविता कौशिक से मुलाकात के बाद उन्होंने एक एपिसोड लिखा, जिसके बाद उन्हें असिस्टेंट का नंबर मिला और उन्होंने सीरियल 'कुछ खोया कुछ पाया' का टाइटल ट्रैक भी लिखा। अभिनय में पर्याप्त अवसर न मिलने पर उन्होंने निर्देशन का रुख किया और इसी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे। रणजीत चौहान ने अनेक सफल प्रोजेक्ट्स किए हैं लेकिन 'मलाल' फिल्म को वह अपने दिल के काफी करीब मानते हैं। यह उनका पहला प्रोजेक्ट था, जो सुपवा से पास आउट होने के तुरंत बाद किया था। इस फिल्म को शूट करने के लिए उनके पास कोई पैसा नहीं था। स्वयं उनके शब्दों में -'गरीब की बेटी की शादी की तरह लोगों ने अलग-अलग तरीके से मेरी मदद की। किसी ने कैमरा दिया, किसी ने खाना दिया और किसी ने गाड़ियाँ दीं।' आगे चलकर रणजीत सिर्फ एक सफल निर्देशक ही नहीं, बल्कि लाजवाब एक्टर और राइटर भी बने। हरियाणा की मिट्टी से निकलकर निर्देशन और अभिनय में पहचान बनाने के उनके सफर की सबसे बड़ी चुनौती गरीबी और बचपन में ही पिता का साया उठ जाना रहा। इसके साथ ही उनके कंधों पर दो छोटी बहनें, एक छोटा भाई और पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। साथ ही अभिनय का जुनून भी था। इनका बचपन संघर्षों मे बीता, यही कारण है कि इनकी फिल्मों में छोटे शहर और गाँव के किरदार बहुत वास्तविक नजर आते हैं। इन कहानियों में उन्हें सच्चाई दिखाई देती है। अभी हाल ही में इनको हाइफा फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिला है। जिसके लिए वह अपने सभी गुरुजनों का और सुपवा का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने उन्हें इस काबिल बनाया। इनकी अभी हाल में रिलीज 'लाइसेंस' फिल्म बेहद सफल रही। इस फिल्म को बनाने में उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा उन्होंने बताया कि चुनौतियाँ तो हर बार अलग रूप में आती ही हैं। हम चुनौतियों से भाग नहीं सकते। आप कुछ भी बड़ा करने की सोचेंगे तो चुनौतियाँ अलग रूप में आपके सामने खड़ी मिलेंगी। स्वयं उनके शब्दों मे -'यह मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।' बॉलीवुड एक्टर यशपाल शर्मा के साथ काम करने के अनुभव के बारे मे रणजीत बताते हैं कि उनके साथ काम करने का अनुभव तो अच्छा ही रहा। स्वयं उनके शब्दों मे -'किस्मत भी अच्छी रही है, क्योंकि मेरी पहली फिल्म 'मलाल' में भी यशपाल सर थे। उनको देखकर ही तो फिल्मों में आए हैं। उनसे सीखने को तो मिलता ही है।' रणजीत ने सुपवा और स्टेज, दोनों के साथ काम किया है। इनके साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए वह मानते हैं कि सुपवा हरियाणा में एक क्रांति है, जिसने कलाकारों को तैयार किया और ऐसा मंच दिया कि आज काम के लिए मुंबई जाने की जरूरत नहीं पड़ती। स्टेज ऐप ने इस काम को आगे बढ़ाते हुए कलाकारों को अपनी कला दिखाने के साथ कमाई का अवसर भी दिया और नए टैलेंट को भी सामने लाया। कुल मिलाकर,

लाइसेंस' मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।

सुपवा ने कलाकार तैयार किए और स्टेज ने उन्हें प्लेटफॉर्म देकर हरियाणवी सिनेमा को मजबूत आधार दिया। रणजीत के अनुसार हरियाणा के सिनेमा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए जो हरियाणा के प्रसिद्ध अभिनेता या फिल्म मेकर हैं और बाहर बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, उन्हें हरियाणा में भी काम करना चाहिए। हालांकि सरकार भी फिल्म बनाने के लिए पॉलिसी लेकर आई है, लेकिन उससे फ़ायदा तभी होगा जब फिल्म पॉलिसी हर साल मिले। चार साल में एक बार पॉलिसी मिलेगी तो सिनेमा कहाँ बड़ा होगा। रणजीत मानते हैं कि क्षेत्रीय सिनेमा को अब ज्यादा सम्मान और अवसर मिल रहे हैं। इसका कारण यह है कि अब फिल्म बनाने के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ता। जब हर क्षेत्र में काम होगा तो सम्मान और अवसर भी मिलेंगे। नए लोगों के लिए रणजीत चौहान संदेश देते हैं कि शिद्दत से काम करें और पूरी फिल्म मेकिंग सीखें। इसमें एक्टिंग, डायरेक्शन, राइटिंग, एडिटिंग, सिनेमैटोग्राफी, लाइटिंग और मार्केटिंग इन सभी का ज्ञान होना चाहिए। तब आप किसी एक विधा में सफल हो पाएँगे। सभी चीजों की जानकारी रखें और मेहनत करते रहें।

खबर संक्षेप

शिविर में पौने तीन सौ मरीजों की जांच की

बहल एसएमएसजी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 270 मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच करवाई और विशेषज्ञों से परामर्श लिया। शिविर के माध्यम से लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक होने और समय रहते बीमारियों की पहचान करने का अवसर मिला। अस्पताल के डॉ. गौरव ने बताया कि शिविर में मरीजों की निःशुल्क ओपीडी जांच के साथ ब्लड प्रेशर, शुगर और ईसीजी की जांच की गई। इसके अलावा मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए चिकित्सकीय सलाह दी गई।

भाजपाइयों ने किए श्रद्धासुमन अर्पित

भिवानी। महान कर्मयोगी राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख एवं सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन के पुरोधा 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण की जयंती हैं। देश आज महान कर्मयोगी राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख एवं सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन के पुरोधा 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहा है।भिवानी में भी भाजपाइयों ने भारत रत्न ,प्रसिद्ध समाजसेवी एवं जनसंघ के संस्थापक नानाजी देशमुख और सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन के पुरोधा 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बहल में हुआ रामलीला का बेहतरीन मंचन

बहल। श्री रामलीला नाट्य कला केंद्र की ओर से श्री कृष्ण वाटिका में आयोजित रामलीला में शनिवार रात सीता स्वयंवर, रावण-बाणासुर संवाद और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का जीवंत मंचन किया गया। कलाकारों ने प्रभावशाली संवादों और शानदार अभिनय के माध्यम से दर्शकों को रामायण के प्रसंगों से रूबरू करवाया। सीता स्वयंवर के प्रसंग में राजा जनक ने सीता के विवाह के लिए शिवधनुष उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी। स्वयंवर में पहुंचे कई राजा-महाराजा धनुष को हिला तक नहीं सके। इसके बाद गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से भगवान श्रीराम ने शिवधनुष उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाई तो धनुष टूट गया।

महाराजा अग्रसेन की महाआरती की

चरखी दादरी। नवरात्र के प्रथम दिन महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज दादरी एवं महाराजा अग्रसेन सेवा सदन की ओर से स्थानीय सेवा सदन में 101 दीपक प्रज्वलित कर महाराजा अग्रसेन की महाआरती की गई। कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुष्प अर्पित किए और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रवाल वैश्य समाज के संरक्षक अधिवक्ता ईश्वर चंद्र गुप्ता, विशंभर देवसरिया, सेवा सदन प्रधान शिवकुमार चिमनीवाला तथा सभा प्रधान कैलाश रिटोलिया ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। आरती-वंदना के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। मंच संचालन शुभम गोयल ने किया।

चेकिंग अभियान के दौरान 112 वाहनों की जांच की

चरखी दादरी। अपराध पर अंकुश लगाने और नशीले पदार्थों व अवैध हथियारों की आवाजाही रोकने के उद्देश्य से दादरी पुलिस ने बीती रात दादरी-झज्जर मुख्य मार्ग स्थित इमलोटा चेकपोस्ट पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर डीएसपी कप्तान सिंह और इंस्पेक्टर यशदीप सिंह के नेतृत्व में 16 कमांडो व पुलिस जवानों ने नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की। अभियान के दौरान हाईवे से गुजरने वाले 112 वाहनों को बैरिकेड्स पर रोककर जांच की। पुलिसकर्मियों ने वाहनों की डिक्की, केबिन और उनमें रखे सामान की टॉर्च व मेटल डिटेक्टर की सहायता से तलाशी ली। इसके साथ ही सड़क पर संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते मिले चार लोगों को रोककर उनके बारे में पुलिस रिकॉर्ड और डेटाबेस के माध्यम से जानकारी जुटाई गई।

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की हुई पूजा-अर्चना

भक्तों ने अखंड ज्योति जला मांगी सुख-समृद्धि की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को जिलेभर के देवी मंदिरों में आस्था का जनसैलाब उमड़ा। पहले नवरात्र को हिमालय की पुत्री मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई, जो सौभाग्य एवं समृद्धि देने वाली मानी जाती हैं। इस बार नवरात्र रविवार के दिन शुरू होना बेहद शुभ है। माता के मंदिरों में अच्छी खासी भीड़ रही।

भक्तों ने अखंड ज्योति जलाकर की परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह 4 बजे से ही मंदिरों के पट खुलते ही जय माता दी के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। शहर के प्रमुख नया बाजार स्थित प्राचीन भोजीवाली देवी माता मंदिर, कृष्णा कॉलोनी रेलवे फाटक स्थित मां दुर्गा मंदिर और देवसर धाम स्थित मां भवानी मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। नया बाजार स्थित भोजीवाली देवी माता मंदिर में पहले नवरात्रों से ही श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ लगी रही।



भिवानी। भोजावली देवी माता मंदिर में अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित करते श्रद्धालु।

बाजारों में भी रौनक लौटी

श्राद्धों में बाजारों में भीड़ नहीं रहती और कारोबार भी एक तरह से धीमा पड़ जाता हैं। नवरात्र शुरू होते ही बाजारों में भी रौनक लौटी। मंदिरों के बाहर पूजा सामग्री, नारियल, चुनरी, फूल-माला और प्रसाद की दुकानें सजी। महिलाओं की भीड़ श्रृंगार की दुकानों पर ज्यादा रही। महिलाओं ने माता के लिए लाल चुनरी, सिंदूर, बिंदी, चूड़ियां और मेहंदी खरीदी। वहीं बच्चों ने खिलौने, गुब्बारे और खाने-पीने का सामान खरीदा। देर शाम तक मंदिरों के बाहर मेले जैसा माहौल रहा।

दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में गूंजे मां के जयकारे

भिवानी। कोंट रोड स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में प्रथम नवरात्र पर मां भगवती की विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर की प्रबंधक उर्मिला सैनी व पुजारी शुभम सैनी के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ मां शैलपुत्री की पूजा कर नवरात्र का शुभारंभ किया। प्रातःकाल श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर मां भगवती के दर्शन किए। पूजन के दौरान मां को पुष्प और द्वीप प्रज्ज्वलित कर परिवार की सुख-शांति, अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने का आशीर्वाद मांगा।

सांसद की धर्मपत्नी मंजू ने माता मंदिर में टेका मत्था



भिवानी। नया बाजार स्थित भोजावाली देवी माता मंदिर में भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह की धर्मपत्नी मंजू देवी व पुत्र परमवीर चौधरी ने मत्था टेका और माता रानी की अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की। मंजू देवी ने माता रानी को चुनरी, नारियल, फूल-माला अर्पित कर परिवार, क्षेत्रवासियों और समस्त समाज की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की धर्मपत्नी मंजू देवी ने परिवार सहित माता रानी के दरबार में हाजिरी लगाई। मंजू देवी के साथ उनके सुपुत्र परमवीर चौधरी व सांसद के निजी सचिव पंकज कौशिक भी मौजूद रहे। मंदिर के महंत उमेश शर्मा ने सांसद की धर्मपत्नी मंजू देवी, पुत्र परमवीर चौधरी व निजी सचिव पंकज कौशिक का माता की चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया। सभी ने माता रानी के चरणों में शीश झुकाकर पूजा-अर्चना की और मंदिर में अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की। मंजू देवी ने समस्त क्षेत्रवासियों एवं देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उन्नति के लिए प्रार्थना की। मंजू देवी ने जगत जननी मां भोजावली से अरदास लगाई कि सभी के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहे, परिवारों में खुशहाली आए और समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारा कायम रहे। माता के दरबार में श्रद्धा और भक्तिभाव से भरा ये क्षण सभी के लिए आध्यात्मिक शांति का प्रतीक रहा। नवरात्र के पहले दिन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

ट्रेनें बंद करना, पुलिस बैरिकेड्स से सड़कें रोकना अलोकतांत्रिक तरीका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी



■ प्रदर्शन को दबाना लोकतंत्र का गला घोंटना: नाफरिया

मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्य-प्रणाली को लेकर देशभर में लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे धरना-प्रदर्शन को पुलिस बल के दम पर दबाने की सरकार की कार्रवाई को पूर्व कर्मचारी नेता मास्टर जयबीर नाफरिया ने अलोकतांत्रिक करार दिया है। मास्टर नाफरिया ने कहा कि जब तक जनता को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक ये धरने-प्रदर्शन जारी रहेंगे। सरकार को हर हाल में जनता की आवाज को सुनना एवं मानना होगा। नाफरिया ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह तुरंत जनता की मांगों पर गौर करें एवं न्यायसंगत समाधान निकाले। मास्टर नाफरिया ने कहा कि अगर सरकार इसी तरह दमनकारी रवैया अपनाती रही तो आने वाले दिनों में ये आंदोलन और भी ज्यादा उग्र हो सकता है, जिससे आमजन को और अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार द्वारा ट्रेनें व रेलवे स्टेशन बंद करना, जगह-जगह भारी पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करना, सड़कों पर जाम लगाना और शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों को हिरासत में लेना किसी भी रूप में लोकतांत्रिक तरीका नहीं है। यह सीधे-सीधे लोकतंत्र का गला घोंटना है। लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने, सवाल पूछने और शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार है।

कन्या भ्रूणहत्या की पूर्ण रूप से रोकथाम के लिए कड़ी निगरानी जरूरी: शांडिल्य

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान को लेकर हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ रघुवीर शांडिल्य ने की। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि हिसार से एसएमओ डॉ प्रभु दयाल रहे। सिविल सर्जन डॉ रघुवीर शांडिल्य ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या की पूर्ण रूप से रोकथाम के लिए कड़ी निगरानी जरूरी है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के स्टेट नोडल जीएल सिंगल ने भी वीसी के माध्यम से जरूरी निर्देश दिए। सिविल सर्जन ने कहा कि अवैध जांच केंद्रों पर नकेल कसी जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएनडीटी नियमों की कड़ाई से पालना हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर पैनी नजर रखें। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, जिले के सभी प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटरों के संचालक और उनके प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सेंटर का समस्त रिकार्ड मेंटेन करें

हिसार से सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ प्रभु दयाल ने एमपीटी एक्ट के दिशा निर्देशों, नियमों और रिकार्ड मेंटेन करने के बारे विस्तार से विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर सरकार पीसीपीएनडीटी नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अपने सेंटर का समस्त रिकार्ड मेंटेन करें और किसी भी प्रकार के वैध/अवैध गर्भपात की सूचना सिविल सर्जन कार्यालय भिवानी को उसी दिन दें । कार्यशाला में जागरूकता अभियानः पीएनडीटी नोडल ऑफिसर डॉ अन्नू चौधरी ने कहा कि जिले में लिंगानुपात में सुधार के लिए अधिकारियों के निर्देशन में सभी स्वास्थ्य कर्मी अपने अपने क्षेत्र के गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे ।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत माल्यार्पण एवं ध्वजारोहण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

समाजवाद, दया, करुणा और जनसेवा का अमर संदेश देने वाले महान युगपुरुष महाराजा अग्रसेन की जयंती के अवसर पर रविवार को भिवानी शहर भक्ति, सेवा और भ्रातृत्व के रंग में रंगा नजर आया। रविवार को महाराजा अग्रसेन चौक पर माल्यार्पण एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक घनश्याम सर्राफ ने मुख्य तौर पर पहुंचकर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। । विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चें वंशिका, आर्यन, अमन जैन, विवेक बंसल, अमन मित्तल को सम्मानित किया गया।



कार्यकम में ये रहे मौजूद

इस मौके पर दिवाकर जैन, मनीष वैध, प्रवीण गर्ग, विजय बंसल टैनी, सचिन सिंगला अधिवक्ता रामदेव तायल, प्रकाश मित्तल, सुरेश कागची, अशोक बुवानीवाला, रामावतार गुप्ता, लखमीचंद, आशीष मित्तल, मुरारीलाल तौला, नवीन गुप्ता, राजेश गोलपुरिया, विनोद जैन, देवराज तोशामिया, सुरेंद्र जैन, धर्मेंद्र जिंदल, अमित बंसल मुंढ़ालिया, विष्णु केडिया, बृजमोहन गोयल, बीबी जैन अधिवक्ता, मुकेश मित्तल, रत्न लोहिया, संजय अग्रवाल, पवन अग्रवाल, सुमित खेमका , श्री अग्रवाल सभा (रजि.) भिवानी के प्रधान सुनील सर्राफ, सीमा बंसल, नीतू बंसल, मनीषा बंसल, विनोद जैन, देवराज तोशामिया, सुरेंद्र जैन, धर्मेंद्र जिंदल, अमित बंसल मुंढ़ालिया, विष्णु केडिया, बृजमोहन गोयल, बीबी जैन अधिवक्ता, मुकेश मित्तल, राकेश मित्तल, रत्न लोहिया आदि मौजूद रहे।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 265 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

चरखी दादरी। महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल सभा की ओर से रविवार को दादरी स्थित अग्रवाल धर्मार्थ अस्पताल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने करीब 265 मरीजों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया। मरीजों को निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। एक्स-रे की सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई गई, जबकि प्रयोगशाला जांच नाममात्र शुल्क पर की गई। शिविर की अध्यक्षता अग्रवाल सेवा संघ के प्रधान सतीश बंसल दिल्लीवान ने की। मास्टर सुरेश गर्ग मुख्यतिथि तथा युवा चिकित्सक डॉ. योगेश गुप्ता सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन और ब्रह्मचारी रामस्वरूप की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित करके किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के आदर्श समाजसेवा, समानता और सहयोग की प्रेरणा देते हैं। संघ के महासचिव मुकेश बंसल ने बताया कि शिविर में कैंसर एवं सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. अमित गर्ग, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. वरुण मित्तल, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. सचिन धवन, मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप काला, गठिया रोग विशेषज्ञ डॉ. रितु सांगवान आदि ने लोगों की जांच की।



सामूहिक जप अनुष्ठान श्रीपैसठिया यंत्र जैन धर्म का अत्यंत प्राचीन एवं चमत्कारी यंत्र: डॉ. उषा जैन

पैसठिया महामंत्र-स्तोत्र का जप करने से समस्त दोषों का होता नाशः मनक मुनि

आसोज माह की अमावस्या के दिन बढ़ जाता है मंत्र का प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हालुवास गेट फाटक पार स्थित जैन मुनि आश्रम में सर्वदोष नाशक पैसठिया महामंत्र जप अनुष्ठान का आयोजन हुआ। आयोजन पितृ पक्ष की अंतिम अमावस्या यानी आसोज माह की अमावस्या बेहद खास संयोग लेकर आई। इस बार अमावस्या शनिवार को रही, जिसे शनिश्चरी अमावस्या कहा जाता है। इस दुर्लभ संयोग पर सांय चार से पांच बजे तक पूज्यश्री जैन मुनि मनक कुमार महाराज के पावन सान्निध्य में सर्वदोष नाशक पैसठिया महामंत्र जप अनुष्ठान संपन्न हुआ। डॉ. उषा जैन ने बताया कि ये सामूहिक जप अनुष्ठान श्रीपैसठिया यंत्र जैन धर्म का अत्यंत प्राचीन एवं चमत्कारी यंत्र है। जैन मुनि मनक कुमार महाराज ने बताया कि पैसठिया महामंत्र-स्तोत्र का जप करने से जीवन के समस्त दोषों का नाश होता है। विशेष रूप से यह जप पितृदोष निवारक, कालसर्प दोष नाशक, नजर-टोटका व ग्रह बाधा से मुक्ति दिलाने वाला माना जाता है। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में इस मंत्र का जप फलदायी होता है, लेकिन आसोज माह की अमावस्या और शनिवार के दिन इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। शनिवार को शनिदेव का दिन माना जाता है और अमावस्या पितरों को समर्पित होती है, इसलिए इस दिन किया गया जप पितरों की शांति के साथ-साथ सुख-शांति और मंगलकारी जीवन प्रदान करता है। इस अनुष्ठान को लेकर जैन समाज सहित अन्य समाज के लोगों में भारी उत्साह देखा गया। आश्रम में श्रद्धालुओं के बैठने और जप के लिए विशेष व्यवस्था की गई। सामूहिक जप का फल व्यक्तिगत जप से हजारों गुना अधिक होता है।



भिवानी। जैन मुनि आश्रम में सर्वदोष नाशक पैसठिया महामंत्र जप अनुष्ठान में उपस्थित श्रद्धालु।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राकेश कटारिया, नीलम जैन, आनंद बासिया, श्यामलाल गर्ग, पीयूष अग्रवाल, प्रवीन बिंदल, अनिल नाहटा, सनमति जैन, मदनलाल जैन, केशव जैन, सज्जन, प्रेमलता जैन, संस्कृति जैन, मंजू जैन, रेखा, नीलम, स्वीटी, सरोज, सुमन, प्रेम व मधु आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी



मां दुर्गा की प्रतिमा का प्रवेश करवाया

चरखी दादरी। श्री कृष्णा सेवादल के तत्वावधान में श्री कृष्ण गोशाला में नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में नवनिर्मित भक्त भैरामदास सत्संग सभागार में मां दुर्गा की प्रतिमा का विधिवत प्रवेश करवाया गया। श्री राम दूत बालाजी मंदिर से प्रतिमा को ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच सभागार तक लाया गया। इस दौरान महिला संकीर्तन मंडल की महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर मंगल गीत गाए और माता रानी का स्वागत किया। मुख्य यजमान तरसेम मित्तल ने सहपरिवार पंडित रोहित पुजारी, पंडित ज्ञानचंद शर्मा, पंडित साधुराम शर्मा व अमित शास्त्री के सानिध्य में पूजा-अर्चना की। इस दौरान समाज में सुख-समृद्धि, परिवारों में खुशहाली, जनकल्याण और विश्व शांति की कामना की।



ग्रामीणों को किया जाएगा जागरूक

चरखी दादरी। डॉ. भीमराव अंबेडकर शिक्षा एवं जन कल्याण समिति हरियाणा की ओर से रविवार को गांव लांबा से 'चलो समाज एवं गांव की तरफ' अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में समिति पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर शिक्षा, नशामुक्ति, सामाजिक समानता और जनकल्याण जैसे विषयों पर चर्चा की। समिति प्रधान विजय लोहरवाड़ा ने कहा कि सामाजिक बदलाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए योगदान देना चाहिए। शिक्षा के प्रचार, युवाओं को सही दिशा देने और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने से स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण किया जा सकता है। समिति महासचिव ईश्वर सिंह ने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को दादरी जिले के विभिन्न गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसका उद्देश्य गांवों में सकारात्मक सोच और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

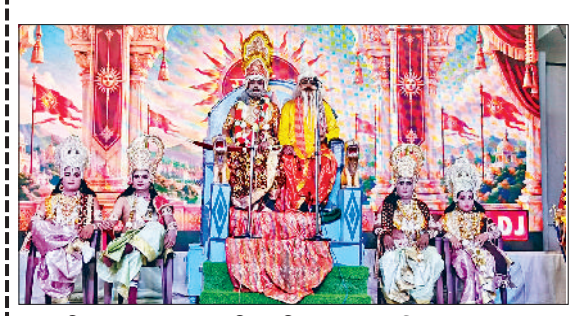

श्रीराम जन्म की लीला का किया मंचन

चरखी दादरी। श्री रामलीला शहर कमेटी चरखी दादरी की ओर से आयोजित वार्षिक रामलीला में प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों का मंचन किया जा रहा है। आठ अक्टूबर को विधि-विधान से गणेश पूजन के साथ रामलीला का शुभारंभ हुआ। प्रतिदिन काफी संख्या में श्रद्धालु लीला देखने पहुंच रहे हैं। शनिवार रात श्रीराम जन्म के प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। इस दौरान पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। रामलीला के पहले दिन प्रसिद्ध समाजसेवी चांद पहलवान बिठलिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं तीसरे दिन उमा बंसल पत्नी पंकज बंसल ने मुख्यतिथि के तौर पर शिरकत कर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लिया। कमेटी के प्रचार मंत्री विकास यादव और गौ सेवक रिम्पी फोगाट ने बताया कि शहरवासियों के सहयोग से इस बार रामलीला का आयोजन भव्य स्तर पर किया जा रहा है।



भव्य कलश यात्रा में झूम उठा शहर

भिवानी । छोटी काशी में रविवार सुबह प्रभु श्रीराम के जयघोष के साथ ही संत रामझुलन दास महाराज के सानिध्य में भव्य क्लश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा प्रणामी मंदिर से शुरू होकर राज श्री बैंक्वेट हॉल गेट तक पहुंची। यह जानकारी देते हुए अखिल भारतीय श्री दादू सेवक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने बताया कि श्री राम कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ ही रविवार को हुआ। अशोक बुवानीवाला ने बताया कि 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक आयोजित इस भव्य श्री राम कथा का आयोजन प्रतिदिन शाम 4 बजे राज श्री बैंक्वेट हॉल गेट, भिवानी में होगा। कथा का वाचन पूज्य संत रामझूलन दास जी महाराज के मुखारविंद से किया जाएगा। बुवानीवाला ने बताया कि श्री राम कथा के इस भव्य आयोजन में भिवानी शहर के संत-महात्माओं एवं धर्माचार्यों का विशेष सान्निध्य और आशीर्वाद प्रतिदिन मिलेगा।



सुख-दुख में सहभागी बनना जरूरी: सांसद

चरखी दादरी। भगवान परशुराम सेवा समिति की ओर से रविवार को स्थानीय मंगल मार्केट में सर्व समाज मिलन समारोह आयोजित किया गया। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। समारोह में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने भाग लेकर सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान सांसद ने हरियाणा में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की। कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि समाज की मजबूती आपसी विश्वास, सम्मान और एकजुटता में निहित है। जाति और वर्ग से ऊपर उठकर एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनना जरूरी है, ऐसे आयोजन सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने और नई पीढ़ी में सद्भाव के संस्कार विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साम्राज्यवादी शक्तियां दबदबा कायम करने की कोशिश कर रहीः सुरेंद्र

भिवानी। सिटी रेलवे स्टेशन रोड स्वामी धर्मशाला में रविवार डॉ. दयानंद सिवाच द्वारा लिखित पुस्तक 'लेखमाला' (धर्म, विज्ञान, समाज और लोकतंत्र) का विमोचन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कामरेड सुरेंद्र मलिक ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर मलिक ने कहा कि दुनिया में साम्राज्यवादी शक्तियां पूंजी के बल पर अपना दबदबा कायम करने की कोशिश कर रही हैं।

सूचना

मैं, हवा सिंह पुत्र श्री मंगत राम निवासी मकान नम्बर-14, वार्ड नं.-1, हिडोल तहसील व जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र बिल्लू कुमार व उसकी धर्मपत्नी रेखा व मेरा दूसरा पुत्र मिन्टू कुमार व उसकी धर्मपत्नी रीना व उसके बच्चे जो कि मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बेदखली सूचना

हम, राजकुमार पुत्र किशोरीलाल व शकुंतला पत्नी राजकुमार निवासीयान म. न. 88, गली न. 2, लाल मस्जिद, दादरी गेट, भिवानी बयान करते है हमारे दोनों लड़के राहुल (बंटी) व अमित हमारे कहने-सुनने से बाहर इसलिए हम दोनों को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करते है। भविष्य में इनसे लेन व देन करने वाला स्वंय जिम्मेदार होगा। हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मौसम का बदला मिजाज, पांच डिग्री सेल्सियस लुढ़का पारा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- लोगों को गर्मी की बजाए गुलाबी ठंड का अहसास होने लगा
- नमी की कमी के कारण फसलों की बिजाई में परेशानी हो रही

रविवार को अचानक मौसम ने करवट बदली। तेज हवा के झौंके के साथ आसमान में काली घटाओं का आवागमन शुरू हुआ। हालांकि शाम तक बारिश नहीं आई,लेकिन आसमान में काली घटाए छाने की वजह से एकदम पांच डिग्री तक पारा नीचे लुढ़क गया। पारा नीचे आते ही लोगों को गर्मी की बजाए गुलाबी ठंड का अहसास होने लगा। वहीं शाम तक किसान आसमान की तरफ टकटकी लगाए बैठे रहे। चूंकि इस वक्त रबी फसल की बिजाई शुरू होगी,लेकिन नमी की कमी की वजह से फसलों की बिजाई में परेशानी हो रही है। पर देर शाम तक आसमान से पानी नहीं बरस पाया। देर शाम तक आसमान में काली घटाओं का आवागमन रहा।

सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त धीमी गति से हवा चल रही थी। करीब नौ बजे के आसपास हवा ने विराम लिया तो बादलों की आवाजाही बढने लगी। पूरी तरह से आसमान काली घटाओं से पट गया। लोगों को लगा कि अभी आसमान से पानी बरसेगा,पर शाम तक बारिश नहीं आई। कई बार आसमान से पानी टपकने की संभावना बनी। दूसरी तरफ आसमान में बादलवाई की वजह से पारा एकदम पांच डिग्री नीचे लूढक गया। पारा 37 से लूढक कर 32 डिग्री नीचे आ गया। लोगों को गर्मी से राहत मिली। क्योंकि पिछले कई दिनों से गर्मी व उमस से लोग परेशान थे। अचानक पारा पांचडिग्री सेल्सियस नीचे गिरने की वजह से लोगों को गुलाबी ठंडक महसूस होने लगी।


भिवानी। आसमान में छाए बादलों का दृश्य।

रबी फसलों की बिजाई होगी शुरू

मौसम में आई ठंडक की वजह से किसानों के चेहरे खिल उठे। क्योंकि आज से पहले पारा 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास था। जिससे सरसों फसल की बिजाई में परेशानी आ रही थी। अब पारा एकदम पांच डिग्री नीचे आते ही गुलाबी ठंडक महसूस होने लगी। जिसके चलते अब रबी फसल की बिजाई में तेजी आ जाएगी। किसानों ने बताया कि अब तक ज्यादा तापमान की वजह से सरसों की बिजाई में परेशानी थी। अगर सरसों अंकुरित भी हो जाए तो धोलिया रोग के आने की आशंका बनी रहती है। अगर तापमान कम हो तो धोलिया रोग नहीं पनप पाता।

खबर संक्षेप

रिश्तों की गर्माहट अभियान शुरू

चरखी दादरी। सर्दी की दस्तक के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता संजय रामफल ने खुशियों की दीवार के माध्यम से रिश्तों की गर्माहट अभियान शुरू किया है। अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों और बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कपड़े उपलब्ध करवाना है। पिछले 10 वर्षों से जरूरतमंदों की मदद में जुटी खुशियों की दीवार ने इस बार भी सहयोग की पहल की है। संजय रामफल ने बताया कि अनेक परिवार आर्थिक तंगी के चलते बच्चों के लिए गर्म कपड़ों की व्यवस्था नहीं कर पाते।

पौधरोपण के साथ-साथ देखभाल जरूरी : संदीप

तोशाम। सर्व कल्याण मंच हरियाणा के अध्यक्ष नवीन कौशिक के मार्गदर्शन में चौदह जिलों में हर गांव त्रिवेणी अभियान चल रहा है। जिसके तहत पौधरोपण कर उसकी देख-रेख की भी जिम्मेदारी ली गई है। इस अभियान के तहत रविवार को गांव हसान में टीम तोशाम की तरफ से जयलाल तक्षक, संदीप गौड़, चंदन तक्षक, प्रवेन्दर सिंह, अनिल सामटीया, डॉक्टर रवि तक्षक, विनोद कुमार आदि ने मिलकर दो त्रिवेणी सहित आठ छायादार पेड़ लगाए। पर्यावरण प्रहरी एवं राज्य मुख्य प्रैस सचिव हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ संदीप गौड़ ने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ उनकी देख-रेख भी बहुत जरूरी है। इस दौरान ग्रामीणों ने पापड़ी, गुलमोर, पीपल, बरगद और नीम के पेड़ लगाकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया।

डॉ. जोगेंद्र की पुस्तक पुरस्कार के लिए चयनित

तोशाम। बनवारी लाल जिन्दल सूईवाला कॉलेज के एसो. प्रो. डॉ. जोगेन्द्र कुमार की पुस्तक मनोमञ्जरी हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला की वर्ष 2023 की श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के लिए चयनित हुई है। इससे पहले डॉ. जोगेन्द्र कुमार की पुस्तक जीवन-सौरभम् भी वर्ष 2018 की श्रेष्ठ कृति घोषित हुई थी। अब ये इनकी हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के द्वारा पुरस्कृत दूसरी पुस्तक है। डॉ. जोगेन्द्र कुमार हिन्दी व संस्कृत दोनों भाषाओं में समान आधिपत्य रखने वाले एक सुधी साहित्यकार हैं।

खेल गांव तिगड़ाना में सम्मान समारोह करवाया

एशियन खेलों के पदक विजेता इशिका प्रिया और यशवीर को किया सम्मानित

- समारोह में वक्ताओं ने कहा कि ये खिलाड़ी देश के असली हीरो

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

खेल गांव तिगड़ाना स्थित हॉकी खेल केंद्र में एशियन खेलों में पदक जीतकर देश और जिले का नाम रोशन करने वाले भिवानी जिले के तीन होनहार खिलाड़ियों इशिका सभरवाल (हॉकी), प्रिया घनघस (मुक्केबाजी) एवं यशवीर सिंह (देवसर, भाला फेंक) का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समस्त ग्रामवासी तिगड़ाना, आसपास के गांवों के ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया और उनकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि ये खिलाड़ी देश के असली हीरो हैं। इनकी मेहनत, लगन और उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से भिवानी जिले को गौरवान्वित किया है। । समारोह के सफल आयोजन में सरपंच डॉ. सुरेंद्र दहिया, बिचला मंदिर प्रधान वीरेंद्र तंवर, धीरज हवलदार, चुनमुन, मेनपाल शेखावत, नेत्रपाल तंवर, ब्लॉक समिति चेयरमैन सीताराम शर्मा, जिला पार्षद कृष्ण कुमार, सुनील शर्मा आदि ने सहयोग किया।


भिवानी। पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि


भिवानी। पदक विजेता प्रिया घणघस को सम्मानित करते स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा पार्क समिति के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

समारोह में इन्हें किया सम्मानित

समारोह में हॉकी एवं खेल जगत से जुड़े अनेक वरिष्ठ खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, पूर्व खेल अधिकारियों और खेल प्रेमियों को सम्मानित किया गया। इनमें प्रमुख रूप से चौधरी बलबीर सिंह , द्रोणाचार्य एवं अर्जुन अवॉर्डी हसन कुमार, पूर्व जिला खेल अधिकारी वीरेंद्र कुमार, चुनमुन तंवर, मास्टर सतबीर रतेरा, हॉकी खिलाड़ी राजेंद्र दहिया, पूर्व हॉकी खिलाड़ी रवींद्र सिंह, पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी मजे ढांडा, पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं गुप्तचर विभाग के निरीक्षक सुनील कुमार, प्रवीण देवसरिया, कैप्टन राजा तंवर, अजीत फौजी, नवीन तंवर, सोमदत्त शर्मा, नेत्रपाल तंवर, सोनू चांद, कर्णदीप काला, बिजेंद्र कालू, सत्यवान यादव, भारत शर्मा हॉकी कोच, संदीप जांगड़ा हॉकी कोच, प्रदीप सुंडा, सरपंच प्रेमनगर राजेश बूरा, राजकुमार कोच, देवेंद्र अत्री, विनीत तंवर, मदन लाल, अजयपाल हरियाणा पुलिस, सुनील पीटीआई, जयबीर पीटीआई, शमशेर डीपीई,कर्मबीर दहिया, सतबीर प्रधान, जय सिंह डीपीई, रामोतार खरक कोच, रमेश कोच प्रेमनगर, मंजीत शर्मा, कृष्ण कुमार, प्रदीप मोनी दीवान प्रजापत, साहिल शर्मा, रणदीप कोच, सुनील शर्मा एवं कंवरपाल बापोड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज बिजेंद्र प्रेरणास्रोत : प्रिया

भिवानी। स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा पार्क समिति कीर्तिनगर ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर एशियन गेम्स की कांस्य पदक विजेता प्रिया घणघस को सम्मानित किया। प्रिया घनघस ने वर्ष 2023 में यूथ एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य, वर्ष 2024 में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत, वर्ष 2026 में कॉमनवेल्थ गेम्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण व वर्ष 2026 में एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। प्रिया घनघस ने बताया कि उन्हें इस मुकाम पर पहुंचने के लिए अपने माता-पिता और खास तौर पर भाई नीरज का बहुत ज्यादा सहयोग मिला है। प्रिया ने बताया कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिजेंद्र मुक्केबाज उनके प्रेरणास्रोत हैं। भविष्य में उनका लक्ष्य ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का है। इस अवसर पर महेंद्र घनघस, जगत नारायण भारद्वाज, रामनिवास इंस्पैक्टर, दलबीर रंगा, भीम सौपर्णा, एसडीओ बलवन्त नागर, धर्मबीर सिंह रंगा, कृष्ण भारद्वाज, रतिराम सैनी, जितेंद्र आर्य आदि मौजूद रहे।


चरखी दादरी। पहलवान सुजीत कलकल को सम्मानित करते मंत्री कृष्णलाल पंवार व अन्य गणमान्य। फोटो: हरिभूमि

पदक विजेता सुजीत कलकल का इमलोटा में भव्य स्वागत

- समारोह में उमड़े खेलप्रेमी
- पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्णलाल पंवार समेत अनेक नेता पहुंचे, गांव के विकास कार्यों को प्राथमिकता से कराने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

एशियन गेम्स की कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाले हरियाणा के पहलवान सुजीत कलकल का रविवार को उनके पैतृक गांव इमलोटा में जोरदार अभिनंदन किया। ग्रामीणों, खेल प्रेमियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने ढोल-नगाड़ों व नारों के साथ उनका स्वागत किया। दादरी से लेकर इमलोटा तक खुले वाहन में उनका विजय जुलूस निकाला गया। सतगामा खाप के प्रधान एवं सरपंच रामनिवास के संयोजन में आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न खाप पंचायतों, खेल संगठनों और गणमान्य लोगों ने पगड़ी व स्मृति चिन्ह भेंट कर पहलवान को सम्मानित किया। समारोह में पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार मुख्यमंत्री के विशेष प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए।

नाम रोशन किया

मंत्री कृष्णलाल पंवार ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि राज्य की खेल नीति के तहत पदक विजेताओं को करोड़ों रुपये के नकद पुरस्कार और क्लास-1 की नौकरियां प्रदान की जा रही हैं। जल्द ही पंचकूला में राज्यस्तरीय समारोह आयोजित कर पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने इमलोटा में फिरनी निर्माण, ई-लाइब्रेरी, इंडोर जिम, स्ट्रीट लाइट और खेतों के रास्तों के विकास कार्य प्राथमिकता से करवाने की घोषणा की। पहलवान सुजीत कलकल ने कहा कि उन्होंने प्रतियोगिता में उतरने से पहले ही स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य निर्धारित कर लिया था। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय ग्रामीणों और देशवासियों के स्नेह व आशीर्वाद को दिया। सुजीत ने युवाओं से माता-पिता के मार्गदर्शन में जीवन का लक्ष्य तय करने, नशे से दूर रहने और खेल सहित सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। पूर्वमंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने सुजीत कलकल की प्रशंसा की।

यशदीप और स्नोवर बने सर्वश्रेष्ठ तैराक

- अतिथियों ने पदक विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

घिकाड़ा रोड स्थित आर्यन स्पोर्ट्स क्लब में शनिवार को नौवीं जिला तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न आयु वर्गों के तैराकों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी 17 से 19 अक्टूबर तक एचएल सिटी बहादुरगढ़ में आयोजित सब-जूनियर एवं जूनियर तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में भाजपा के जिलाध्यक्ष राष्ट्रदीप परमार मुख्य अतिथि रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में धर्म सेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौधरी, हरियाणा तैराकी संघ के उपाध्यक्ष इंद्र फोगाट, दादरी तैराकी संघ के अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह और महासचिव जगत सिंह उपस्थित रहे।


चरखी दादरी। प्रतियोगिता में विजेता को सम्मानित करते अतिथि।

ये रहे परिणाम

प्रतियोगिता में यशदीप पुत्र सूर्यदीप सिंह ने सर्वश्रेष्ठ तैराक का पुरस्कार जीता। उन्होंने 400 मीटर व्यक्तिगत मेडल, 200 मीटर बैकस्ट्रोक और 100 मीटर बैकस्ट्रोक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इशांत सिंह ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल व चिंटू फोगाट ने 50 मीटर बटरफ्लाई में पहला स्थान हासिल किया। निशांत 50 मीटर बटरफ्लाई में दूसरे स्थान पर रहे। लड़कियों के वर्ग में झज्जर की स्नोवर झाझरिया ने पांच स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर सर्वश्रेष्ठ तैराक ट्रॉफी हासिल की।

अंजली फोगाट ने जीता स्वर्ण पदक

- 53.37 सेकेंड में पूरी की 400 मीटर दौड़, गांव पहुंचने पर होगा स्वागत एवं सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

समसपुर की बेटी अंजली फोगाट ने 65वीं ओपन राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिला ओपन 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर दादरी जिले का नाम रोशन किया है। आठ से 11 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में अंजली ने 400 मीटर की दौड़ 53.37 सेकंड में पूरी कर पहला स्थान हासिल किया। अंजली फोगाट पूर्व सरपंच सुरेंद्र फोगाट की बेटी हैं। इस उपलब्धि से गांव समसपुर सहित सर्वजातीय फोगाट खाप क्षेत्र में खुशी का माहौल है।


अंजली को सम्मानित करते आयोजक।

बधाई दीं

खाप प्रधान सुरेश फोगाट, सचिव कुलदीप फोगाट और अन्य पदाधिकारियों ने अंजली को बधाई देते हुए उनकी सफलता को हरियाणा की बेटियों की प्रतिभा, मेहनत व दृढ़ संकल्प का प्रमाण बताया। सुरेश फोगाट ने कहा कि अंजली की उपलब्धि अन्य युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, संघर्ष और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सुरेश फोगाट ने बताया कि गांव पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295154800, 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

मृत गायों को लेकर विधायक आवास पर दिया धरना

ज्यादा गोग्रास से 15 गायों की मौत , 37 उपचाराधीन, भड़का गोरक्षा दल भिवानी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

श्राद्ध पक्ष की अमावस्या पर गौसेवा के नाम पर ज्यादा गौ ग्रास खिलाए जाने पर 15 गायों की मौत हो गई और 37 गाय जिंदगी व मौत के बीच झूल रही है। 37 गाय गभीर हालत में महम गेट स्थित गौशाला में उपचाराधीन है। आरोप है कि जरूरत से ज्यादा रोटी, खीर, पुरी, हलवा व अन्य तला हुआ गौग्रास खिलाए जाने के कारण अब तक 10 गायों की मौत हो गई। इसके अलावा शहर में विभिन्न स्थानों पर 5 अन्य गायों की मौत की सूचना भी मिली थी, जो कि गौरक्षा दल के पहुंचने से पहले ही आमजन द्वारा उन्हें मिट्टी दे दी गई। इस घटना ने शहर के गौसेवकों और गौरक्षकों में भारी रोष पैदा कर दिया है। आक्रोशित गौरक्षा दल के सदस्यों ने प्रधान संजय परमार के नेतृत्व में विधायक के आवास के बाहर धरना दिया और सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ कड़ा रोष जताया। गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि श्राद्ध पक्ष की अमावस्या पर गौवंश को गौग्रास खिलाने की परंपरा को लोग पुण्य कमाने का माध्यम मानते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में जरूरत से ज्यादा भोजन खिलाना कई बार बेजुबान पशुओं के लिए जानलेवा बन जाता है। जबकि उन्हे श्राद्ध अमावस्या से कई दिन पहले से जागरूक किया जाता है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं और निर्दोष गायों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। इसके बावजूद न तो लोगों को जागरूक करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था दिखाई देती है और न ही गोवंश को असुरक्षित तरीके से अत्यधिक भोजन खिलाने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए। संजय परमार ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि गौवंश की सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं और लापरवाही से पशुओं को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।



भिवानी। मृत पड़ी गाय व विधायक के आवास के बाहर धरने पर बैठे गोसेवक। फोटो: हरिभूमि

जागरूकता के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए

संजय परमार ने कहा कि गोसेवा के नाम पर अगर बेजुबान गायों की जान ही चली जाए, तो ऐसी लापरवाही को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। गोरक्षकों ने विधायक आवास पर धरना देकर सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। साथ ही ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कोई प्रभावी कदम नजर आता है।


चरखी दादरी। डॉ. पराग पिलानिया को आशीर्वाद देते सांसद धर्मबीर सिंह।

एचसीएस में चयन पर सांसद ने डॉ. पराग को दी बधाई

- बेटियों की उपलब्धियों पर सभी को गर्व : सांसद धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) परीक्षा में गांव डाढी बाना निवासी डॉ. पराग पिलानिया ने सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि की जानकारी मिलने के बाद गांव में खुशी का माहौल है।

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने डॉ. पराग के घर पहुंचकर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि बेटियों की उपलब्धियों पर सभी को गर्व है। डॉ. पराग की सफलता से क्षेत्र की अन्य बेटियों और युवाओं को भी आगे बढ़ने तथा अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी।

डॉ. पराग पिलानिया पंचायती राज विभाग से कनिष्ठ अभियंता के पद से सेवानिवृत्त अजीत सिंह की बेटी हैं। उनकी माता संतोष देवी गृहिणी हैं। वह सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) अनिल पिलानिया की भतीजी हैं। डॉ. पराग ने वर्ष 2019 में रोहतक पीजीआई से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वर्ष 2021 में इसी संस्थान से रेडियोलॉजी में एमडी की डिग्री हासिल की और डीएनबी की पढ़ाई भी पूरी की।